रहा है। इसके [illegible] की स्थापना
Council of [illegible]
की गई।

— x — x —

Pg-1

UNIT-II

Q 1. What is Socialization? Discuss the effect of child rearing practice on Socialization?

Ans Socialization एक Complex Concept है। इसमें व्यक्ति समाज के Norm, tradition, role तथा regulation आदि को सीखता है। Socialization एक ऐसी प्रक्रिया है, जो जन्म से लेकर मृत्यु तक चलता रहता है। जन्म के तुरंत बाद बच्चा न समाजिक होता है और न असामाजिक होता है। उसमें सिर्फ Biological trait पाए जाते हैं और वह धीरे-धीरे समाज के Culture को सीखता है और Socialized बन जाता है। बच्चा अपने आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समाज के दूसरे लोगों के साथ interaction करता है। जिससे

उसे नए-नए experience develop होते है। इन्हीं experience के फलस्वरूप बच्चा सामाजिक परंपरा एवं सामाजिक Norms के प्रति व्यवहार करना सीख लेता है। समाज के नियमों को सीखना तथा उसके अनुसार व्यवहार करने के process को Socialization कहा जाता है।

~~Atik~~ Atkinson, Atkinson तथा hilgard के अनुसार —

"Socialization is the process of shaping of individual characteristics and behaviour through the learning that social enviourment provides."

Chaplin (1975) के अनुसार —

"Socialization is the process at learning the Custom habbit, Flok ways more at give culture."

Rosen berg and tenner (1998) ने Socialization को इस प्रकार परिभाषित किया है।

Pg. (3)

"Socialization refers to the process at development or change that person under goes a result of social influences."

जब इन परिभाषाओं को analysis किया जाता है तो Socialization का पता चलता है जो इस प्रकार है।

(1) Socialization is an adaptation processing —

Socialization एक Continious process है। जिसके द्वारा व्यक्ति अपने-अपने समाज के values Norms के साथ Adapt-ation करना सीखना लेता है।

(2) Socialization is a Continious process —

Socialization एक Continious process है। जो जन्म से लेकर मृत्यु तक चलता रहता है। इसमें कई तरह के परिवर्तन आते हैं। इसे लिए उसे Continious process कहा ~~जाता~~ गया है।

Pg - (4)

3) Socialization is a process of development or change —

Socialization एक ऐसा process है। जिसके परिणाम स्वरूप व्यक्ति की personality development होता है। जब व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से interaction करता है तो उसमें Social attitude, self Concept तथा उसका behaviour develop होता है।

4) Socialization is a symbolic interaction —

Cooley तथा James के अनुसार Socialization एक ऐसा process है। जिसमें symbolic interaction होता है। जिसके फलस्वरूप व्यक्ति के self का निर्माण होता है।

5) De- socialization and re - socialization —

Socialization एक ऐसा process है जिसमें De- socialization तथा Re- socialization देखा जाता है। जैसे — कोई ईमानदार व्यक्ति बुरे समाज में

रहने लगे और उसके व्यवहार में बुराई देखने को मिले तो यह कहा जा सकता है कि उसमें De-Socialization हुआ है लेकिन कभी-कभी व्यक्ति के व्यवहार में सुधार होने लगता है वह फिर से समाज के नियमों को मानने लगता है। जिससे उसमें re-Socialization reformatory School आदि re-Socialization के उदाहरण है।

6) Primary and Secondary Socialization

Bandura (1972) के अनुसार Socialization के दो रूप होते है। जब छोटे बच्चे का Socialization किया जाता है तो उसे primary Socialization कहते है। Primary Socialization के Stage में बच्चों का सबंध सिर्फ परिवार के लोगों के साथ रहता है और बड़ों का सबंध बड़े व्यक्ति के साथ होता है यानि जब बड़े व्यक्ति का Socialization होता है तो उसे Secondary Socialization कहा जाता है इसमें Self regulary स्थापित हो जाता है। यही वह Stage है। जिसमें वास्तविक रूप से Socialization होता है।

7) Inter group and intra group —

Socialization में एक समूह के लोगों का विचार दूसरे के लोगों के विचार से अलग होता है। इन्हीं विचारों के द्वारा Socialization प्रभावित होता है। Group के अंदर भी Similarity तथा Dissimilarity देखा जाता है। इसका भी प्रभाव समाजीकरण पर पड़ता है। बच्चों के पालन पोषण ~~पोषण~~ से Social interaction की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। intra Societal variation के कारण एक ही Culture के लोगों में Socialization की प्रक्रिया अलग-अलग है।

8) Effect of child rearing practice on Socialization —

बच्चों के पालन पोषण उसके समाजीकरण की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। जिस प्रकार का पालन ~~पोषण~~ पोषण होगा, उसी तरह का Socialization देखा जाता है। Socialization की प्रक्रिया जन्म से लेकर मृत्यु तक चलता रहता है। जन्म के बाद Socialization की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। पहले बच्चा रोता है, फिर उसमें babbing का behaviour देखा जाता है, जब वह रोता है। तो माँ उसे दूध

चिल्लाता है और वह चुप हो जाता है। इस तरह वह रो कर अपनी माँ का ध्यान आकर्षित कराता है। जब उसकी आवश्यकता माँ के द्वारा पूरी होने लगती है। वह उसे देख कर मुस्कुराने लगता है और वह अजनबी व्यक्ति को देख कर रोने लगता है या घबरा जाता है। इस तरह माँ के व्यवहार का प्रभाव उसके Socialization पर पड़ने लगता है। उसे माँ के उत्ते स्वभाव के trust worthiness develop हो जाता है अगर माँ का स्वभाव अच्छा नहीं होता है तो उसमें Mistrust develop हो जाता है। जिसे erickson ने अपने अध्ययन में पाया है।

Primary Socialization की प्रक्रिया परिवार में शुरु होती है। और परिवार के लोगों के behaviour की imitation करके सीख लेता है तथा identification के सहारे परिवार के अन्य लोगों के व्यवहार को दोहराता है। इसे प्रकार उसमें बहुत सार परिवर्तन होते है।

अध्ययनों से पता चलता है कि व्यक्ति का Socialization rearing practice के द्वारा अधिक प्रभावित होता है। अलग-अलग समाज एवं culture के बच्चों का पालन-पोषण अलग-अलग होता है।

Pg - (8)

New Comb (1966) के अनुसार जिन बच्चों के पालन-पोषण में माता-पिता द्वारा उचित दुलार दिया जाता है और उन बच्चों की देख-रेख उनके द्वारा खुद किया जाता है तो बच्चों को Socialization की Norms को स्वीकारने और अनुकूल व्यवहार करने की motivation होता है। इस तरह के बच्चों में अधिक Socialization दिखाई देता है। दूसरी और जिन बच्चों के पालन पोषण में माँ-बाप द्वारा Appropriate Love and effection नहीं दिया जाता है और माँ-बाप उनकी देख रेख स्वयं नहीं कर पाते हैं तो उन बच्चों में Socialization की प्रक्रिया धीमी हो जाता है और कमजोर पड़ने लगता है। ऐसे बच्चों में अधिक उम्र हो जाने के बाद भी Socialization की Symptom साफ नहीं दिखाई देता है। और उनमें तरह-तरह की psychological problem देखने को मिलती है। ~~उनमें तरह-तरह को~~

Child rearing practice अलग-अलग Stage में देखने को मिलता है और इसका अलग-अलग Socialization पर देखने को मिलता है।

Defeldoc (1976) ने Child rearing practice को अध्ययन किया और यह पाया कि व्यवहारी diamention की प्रभाव बच्चों के Socialization पर पड़ता है। कुछ माता-पिता ऐसे होते हैं।

Q4 - (9)

जो बच्चों को बहुत दुलार प्यार और स्नेह देते हैं ऐसे माता-पिता में warmth अधिक होता है और बच्चों पर इसका प्रभाव positive पड़ता है। इस तरह के बच्चों में Socialization के गुण तथा समाजिक व्यवहार का development तेजी से होता है।

Sence of Security, Self respect, Self Confidence & Self Steem आदि के गुण विकसित होते हैं और उनमें Socialization तेजी से हो जाता है। प्यार दुलार के अलावा Socialization के लिए यह जरूरी है कि parental control होना चाहिए। Socialization इस बात पर भी निर्भर करता है कि पालन पोषण में बच्चों द्वारा किया गया व्यवहार में control कितना है कुछ माता-पिता काफी restrictive Nature के होते हैं जो अपने बच्चों पर बहुत पाबंदी लगाते हैं। बच्चों को कभी भी आजाद हो कर आने-जाने नहीं देते हैं साथ ही कुछ माता-पिता काफी permissive nature के होते हैं। जो बच्चों के व्यवहारों पर शायद ही कभी restriction लगाते हैं। Baumrind (1967) के अनुसार दोनों Situation यानि restrictive nature तथा Permissive nature में Socialization की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है।

Baumrind (1967) ने अपने अध्ययन में

Pg (10)

बच्चों के तीन Group को सम्मीलित किया और restrictive permissive Nature के माता पिता और उनके बच्चों का अध्ययन किया उन्होंने पाया कि जिन बच्चों के माता-पिता उनके कामों में अधिक हस्तक्षेप नहीं करते थे और Limit के अनुसार उन्हें काम को करने की आजादी देते थे। वैसे बच्चों में सामाजिक व्यवहार को सीखने की motivation पाया गया। अध्ययनों में ह. यह भी पाया गया कि ऐसे बच्चों में Competence ability Self Control जैसे - सामाजिक गुण अधिक तेजी से develop हुए लेकिन जिन माता-पिता द्वारा अधिक restriction लगाया गया था और बच्चों के rearing practice में hostility मिला था, उसमे Social Skill development नहीं हो पाया।

इस प्रकार बच्चों के पालन पोषण में माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है जिस प्रकार की उनकी भूमिका होती है। उसी प्रकार का उनमे Socialization देखने को मिलता है। अगर माँ-बाप का Attitude, behaviour, modrate, permissive होता है तो, Socialization सतोषजनक होता है। इस प्रकार Child rearing practice बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका प्रभाव बच्चों के personality पर negative तथा positive दोनों रूप से पड़ता है।